Name of the college - APSM College, Barauni, Begusarai (LNMU, Darbhanga)

Name - Dr. Bharti Kumari, AIH&C

Lesson Plan of the Class - BA(H), AIH&C Part 1 Paper 1

Name of the Topic - Mourya Kal meon Striyon Ki Dasha Avn Baudh Samaj

Date - 16-04-2021

मौर्य काल में स्त्रियों की दशा एवं बौद्ध समाज

में स्त्रियों की दशा — मौर्यकाल में स्त्रियों के सम्बंध में अनेक ऐसे प्रमाण मिलते हैं, जिनसे ज्ञात होता है कि स्त्रियों की दशा अच्छी भी थी और बुरी भी स्त्रियाँ धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेती थी, मौर्य सम्राट अशोक के नौवें शिलालेख से ज्ञात होता है कि मौर्यकालीन स्त्रियाँ जन्म, विवाह, यात्रा तथा रोग के समय मंगलकारी कामनायें करती थी, कुछ उल्लेखों से ज्ञात होता है कि मौर्यकालीन स्त्रियाँ जन्म, विवाह, यात्रा तथा रोग के समय a मंगलकारी कामनाएँ करती थी, कुछ उल्लेखों से ज्ञात होता है कि स्त्री को पिता की सम्पत्ति ग्रहण करने का एवं सैनिक शिक्षा ग्रहण करने का अधिकार प्राप्त था।

दर्शनशास्त्र की अध्ययन करने वाली स्त्रियों को 'ब्रह्मवादिनी' कहा जाता था। चाणक्य के 'अर्थशास्त्र' में वेश्याओं का भी उल्लेख मिलता है। पति के अत्याचार

P.T.O.

करने पर स्त्री न्यायालय की शरण में जा सकती थी, स्त्री हत्या को इस काल में जघन्य अपराध माना जाता था, पति के दुराचारी होने पर स्त्रियाँ उसका परित्याग कर सकती थी। मेगास्थनीज के अनुसार — "ब्राह्मण लोग स्त्रियों को उच्च शिक्षा दिये जाने के पक्ष में नहीं थे, क्योंकि उनके विचार में स्त्रियां दार्शनिक रहस्यों से अनभिज्ञ थी।

बौद्ध समाज में स्त्रियों की दशा :— बौद्ध समाज में स्त्रियों की दशा दयनीय हो गई थी, स्वयं महात्मा बुद्ध ने सत्य की खोज में स्त्री को बाधक माना तथा इन्हें बौद्ध संघ में प्रविष्ट होने की आज्ञा नहीं दी, उन्होंने अपने शिष्य आनन्द को उपदेश देते हुए कहा कि स्त्री से भाषण मत करो बाद में आनन्द के बहुत प्रार्थना करने पर अनेक कठोर शर्तों पर ही स्त्रियों को बौद्ध संघ में प्रविष्ट होने की आज्ञा दी यद्यपि बौद्धकालीन समाज में स्त्रियों की हेय दशा थी। किन्तु बौद्ध साहित्य में कुछ शिक्षित स्त्रियों का उल्लेख मिलता है। थेरीगाथा नामक ग्रन्थ से ज्ञात होता है कि अनेक बौद्ध भिक्षुणियों ने कुछ गीतों की रचना की। क्षेमा, सुभद्रा, तथा केशा आदि इस काल की शिक्षित एवं सम्मानीय स्त्रियाँ थी। आम्रपाली जोकि वेश्या थी इस काल की सुशिक्षित स्त्री थी।

भारती कुमारी
A.I.H.&C
16-04-2021